Work sheet- दिसंबर-2019

Hindi – 2nd Lang (Grammar)

Grade: IX **Date of issued: 28.11.19**

Date of submission:

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

दिन-रात के संविभाग की भाँति नाना ऋतुओं का ह्रास विलास भी मनुष्य के जीवन को मनोरंजक तथा आनंदमय बनाने में सहायक होता है। ऋतुओं का संविभाग प्राय: सूर्य पर आश्रित है। सूर्य ज्यों-ज्यों उत्तरायण होता है, त्यों-त्यों गर्मी की वृद्धि होती है और ज्यों-ज्यों वह दक्षिणायन होता है, त्यों-त्यों सर्दी बढ़ती जाती है। इससे वर्ष की प्राय: दो ही ऋतुएँ बनती हैं- ग्रीष्म और शीत। किसी देश में केवल दो ही ऋतुएँ होती हैं। किसी में तीन ऋतुएँ होती हैं- ग्रीष्म,वसंत और शिशिर।परंतु भारत देश का सौभाग्य है कि वह पृथ्वी पर ऐसे स्थान पर विद्यमान है जहाँ समय-समय पर छ: ऋतुएँ आती हैं और क्रमानुसार अपना नाटकीय अभिनय दिखाती हैं। भारत में प्राय: प्रत्येक ऋतु दो-दो महीने रहती है। चैत और वैशाख में ऋतुराज वसंत, ज्येष्ठ और आषाढ़ में ग्रीष्म, श्रावण और भाद्रपक्ष में वर्षा,आश्विन और कार्तिक में शरद, मार्गशीश और पौष में हेमंत माघ और फाल्गुन में शिशिर (पतझड़)।

क) मनुष्य के जीवन को मनोरंजक तथा आनंदमय बनाने में क्या सहायक होता है ?

_____

_____

ख) भारत देश का सौभाग्य कहाँ विद्यमान है ?

_____

_____

ग) ग्रीष्म और शीत ऋतुएँ किस प्रकार बनती हैं ?

_____

_____

घ) पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

_____

ड.) 'नाटकीय' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और प्रत्यय लिखिए ।

_____

च) ऋतुराज किसे कहा जाता है ?

_____

2. अनुच्छेद लिखिए - हमारा राष्ट्र-गान